खबर संक्षेप

स्टोर रूम का ताला तोड़ मोटर पंप ले गये चोर

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र में एक स्टोर रूम को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए मोटरपम्प पार कर दिया। जानकारी के अनुसार घटना समदड़िया कॉलोनी निवासी निरंजन पंजवानी के स्टोर रूम में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने स्टोर रूम का ताला चटकाया और अंदर रखा 3 HP का मोटरपम्प चोरी कर रफूचक्कर हो गए। निरंजन पंजवानी की शिकायत पर माधवनगर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है जिससे आरोपियों का सुराग लग सके।

बाइक सवार बदमाश महिला की सोने की चैन छीनकर हुए चंपत

कटनी। रंगनाथ थाना क्षेत्र के बरगवां स्थित डन कॉलोनी में शुक्रवार सुबह बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चैन छीनकर भाग गए। वारदात उस समय हुई जब महिला एक हॉस्पिटल के बाहर टहल रही थी। जानकारी के मुताबिक उमरिया निवासी हामना खातून अपने पुत्र गुलाम नवी के साथ इलाज कराने कटनी आई थी। डन कॉलोनी स्थित हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा था। सुबह 7 बजे जब हामना खातून हॉस्पिटल के बाहर घूम रही थी, उसी दौरान दो अज्ञात बाइक सवार वहां पहुंचे और महिला के गले से सोने की चैन लूटकर भाग गए। घटना की सूचना रंगनाथ नगर पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटना स्थल का मोआयना कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि अज्ञात बदमाश भागते हुए सीसीटीव्ही कैमरे में नजर आ रहे हैं। रंगनाथ नगर थाना प्रभारी अरूण पाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

खतरनाक उद्योगों में बाल श्रम पर पूर्ण प्रतिबंध

कटनी। खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों का नियोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है। श्रम स्टार रेटिंग के अंतर्गत यदि किसी संस्थान में बाल श्रम अथवा बंधक श्रम पाया जाता है, तो जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उस संस्थान को शून्य अंक दिए जाएंगे जिन संस्थानों में बाल या बंधुआ श्रमिक नियोजित नहीं हैं, उन्हें अन्य मापदंडों में कुछ कमी होने के बावजूद श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। बाल श्रम उन्मूलन के लिए श्रम विभाग द्वारा "वेदा पहल" के अंतर्गत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 (टोल-फ्री, 24/7) पर प्राप्त शिकायतों की भी निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। कानूनी प्रावधानों के तहत बाल श्रम अधिनियम, 1986 के तहत दोषी पाए जाने पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक जुर्माना और 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास की सजा का प्रावधान है। वहीं, बंधक श्रम पद्धति अधिनियम के तहत अधिकतम 3 वर्ष कारावास या 2 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

पाठ्यक्रमों में प्रवेश नवीनीकरण के लिए आज तक खुला रहेगा पोर्टल

कटनी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के व्यापक शैक्षणिक हितों एवं भविष्य की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए, स्नातक (द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष) तथा स्नातकोत्तर (तृतीय सेमेस्टर) के परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश नवीनीकरण के लिए विशेष अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह विशेष सुविधा उन विद्यार्थियों के लिए प्रदान की गई है, जो प्रवेश नवीनीकरण के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत पूरक परीक्षा परिणामों की घोषणा के कारण नियत समय-सीमा में अपनी प्रवेश औपचारिकताएं पूर्ण करने से वंचित रह गए थे। प्रवेश पोर्टल को 28 मार्च तक सक्रिय किया जा रहा है। संबंधित विद्यार्थी, इस विस्तारित अवधि का लाभ उठाकर अपने प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे शेष पात्र विद्यार्थियों का त्वरित चिन्हांकन कर, उनका प्रवेश नवीनीकरण एवं शुल्क समय-सीमा में जमा करवाना सुनिश्चित करें।

चैत्र नवरात्र की नवमीं पर मंदिरों में हवन पूजन एवं भंडारे का आयोजन, विश्व कल्याण की कामना

जवारा जुलूसः माई के द्वारे से निकले आस्था के जवारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जगजननी मां आदिशक्ति की भक्ति, आराधना का पर्व चैत्र नवरात्र की नवमीं एवं मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम का प्रकटोत्सव भक्ति भाव एवं उत्साह के साथ मनाया गया। नवरात्र पर्व की नवमीं एवं रामनवमीं पर जिले भर के मंदिरों में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। हवन पूजन के पश्चात कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

जवारा जुलूस में नाची मां काली

जिले भर के मंदिरों, मढ़िया एवं दिवालो में बोय गये आस्था के जवारों का विसर्जन किया गया। जवारों के विसर्जन के साथ ही नवरात्र पर्व का समापन हो गया। शहर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में मंदिरों, मढ़ियों व दिवालो में जवारे बोये गए थे। नौ दिनों तक धार्मिक स्थलों में भक्तों व श्रद्धालुओं द्वारा माता की भक्ति की गई। नगर में आस्था के केन्द्र जालपा मंदिर, उपनगरीय क्षेत्रो के अलावा जिले भर में स्थानीय परंपरा और मान्यता के अनुसार हुये विविध धार्मिक आयोजनों की देर रात्रि तक धूम रही। श्रद्वालु माता की भक्ति में लीन रहे। जवारों की लंबी कतारों के बीच मां काली नृत्य करते हुये जवारा जुलूस विसर्जन घाटो तक पहुंचा। श्रद्वालुओं ने जवारों में दुग्धाभिषेक किया। चैत्र नवरात्र की नवमी के मौके पर अलसुबह से ही माता के दरबार में भक्तों की लंबी कतार रही। देर शाम मातारानी के जयकारो के बीच जवारा विसर्जन जुलूस प्रारंभ हुआ। जुलूस में सिर पर जवारा कलश रखे बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।

जवारा जुलूस में भक्ति का संगम

चैत्र मास की प्रतिपदा से आरम्भ हुआ देवी पूजन का महापर्व चैत्र नवरात्र शुक्रवार को नवमी तिथि पर हवन पूजन के साथ संपन्न हुआ। नौ दिनों तक शक्ति की साधना के बाद देवी मंदिरों में वैदिक मंत्रोचार के बीच हवन-अनुष्ठान किया गया। नवरात्र व्रतधारकों ने कन्याभोज , हवन-पूजन करके शक्ति की आराधना की।देवी देवालयों सहित मन्दिरो में कन्याभोज आयोजित हुए। जरूरतमंदों व गोवंश को खिलाकर पुण्य की कामना की गई। श्रद्धालुओं ने भोजन के पैकेट बनाकर भी कन्याओं को पहुंचाया। कुछ लोगों ने गरीबों को भोजन कराया।

ढोल नगाड़ों के साथ निकला जुलूस

नवमी तिथि पर देवी मंदिरों मैं बोए गए ज्वारे व मन्नत कलश लेकर भक्त चले।नवमी पर आदिशक्ति के 9 वे रूप माँ सिद्दीदात्री की पूजा अर्चना की।पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई।स्लीमनाबाद के चंडी माई मंदिर से ढोल नगाड़ों की धुन पर ज्वारे जुलूस निकला जो कटनी नदी मैं जाकर विसर्जित किया गया।वही ग्राम कोहका में भी ज्वारे जुलूस निकला जो सरोवर मैं जाकर विसर्जित किया गया।वही धरवारा मैं भी ज्वारे जुलूस निकाला ।जहां कलाकारों के द्वारा कलाकृतिया दिखाई गई।चैत्र नवरात्र की नवमी पर बहोरीबंद के प्रसिद्ध खड़रा स्थित शारदा मंदिर मे मातारानी के दर्शन करने भक्तो का सैलाब उमड़ा।मातारानी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। दूरदराज क्षेत्र से लोग पूजा अर्चना के लिए मंदिर पहुचे।देर शाम मातारानी के दरबार मै बोये गए ज्वारे व मन्नत कलश को सिर पर धारण कर लोग चले।ज्वारे जुलूस में ढोल नगाड़ों की धुन पर देवी भगत गाते हुए भक्तगण चल रहे थे।देर शाम ज्वारे विसर्जित किये गए।वही बहोरीबंद के मरही माता मंदिर से भी ज्वारे जुलूस निकाला जिन्हें सरोवर में विसर्जित किया गया।

निकाली गई चुनरी यात्रा

चैत्र नवरात्र के नौवे दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की गई। चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर देर शाम स्लीमनाबाद स्थित चंडी माई मंदिर से चुनरी यात्रा निकाली। भक्तगण चंडी माई स्थल से चुनरी यात्रा मातारानी की जयघोष करते हुए प्रारंभ की। बैंड बाजा की धुन पर चुनरी यात्रा में शामिल भक्तों के द्वारा देवी गीत मातारानी की जयकारे लगाते हुए नगर भ्रमण की। नगर में स्थापित सभी देवी मंदिरों से होते हुए नगर महारानी स्थल पहुँची जहां शक्ति की उपासना की विधि विधान से पूजा अर्चना कर चुनरी मातारानी को अर्पित की गई व देर शाम महाआरती कर विश्व कल्याण की कामना की गई।

श्रीरामनवमीं पर मंदिरों में हुए मानस एवं सुंदरकांड पाठ

पुनर्वसु नक्षत्र में मनाया गया रामलला का जन्मोत्सव, मंदिरों में हुये आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

भये प्रगट कृपाला दीनदयाला कौशिल्या हितकारी,हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी।जन्म लये रघुरईया अवधपुर मैं बाजे बधाइयां,चला चली देखन अवध बहार रामजी जन्म लये है रे एक से बढ़कर एक सोहर गीतों की प्रस्तुति अवसर था कौशल्यानंदन भगवान श्रीराम जन्मोत्सव का।

समूचे स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र मे कौशिल्यानन्दन भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव शुक्रवार को रामनवमी के अवसर पर धूमधाम से मनाया गया।श्रीराम नवमी पर क्षेत्र के दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर,श्रीराम जानकी मंदिर, सिंहवाहिनी अवध बिहारी जु मंदिर,हरिदास ब्रजधाम कोहका,खिरहनी स्थित जगदीश धाम व कौड़िया स्थित श्रीराम जानकी मंदिर सहित राम मंदिरों और हनुमानमंदिरों में भक्त भगवान के दर्शन करने पहुँचे।श्रीराम जानकी मंदिर,दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर,जगदीश धाम व सिंहवाहिनी मंदिर मे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का पंचामृत अभिषेक किया गया। दोपहर 12 बजे पुनर्वसु नक्षत्र के शुभ योग में रामलला का जन्मोत्सव मनाया गया।भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की बेला पर चहुओर आंनद मय माहौल हो गया।दशरथ घर आंनद भयो जय हो श्रीराम की गुंजायमान होने लगी।जय जय श्रीराम के नारे लगने लगे। श्रद्धालु भगवान को पालने में झुलाने लगे।महिलाओं के द्वारा बधाई गीत गाये जाने लगे व ढोल नगाड़ों की धुन पर नृत्य किया जाने लगा।

इस अवसर पर राम मंदिर व हनुमान मंदिर मे रामचरित मानस पाठ व सुंदरकांड पाठ आयोजित हुए। जहाँ समापन पर हवन पूर्णाहुति की गई।भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर मन्दिरो को आकर्षक साज सज्जा की गई। हरिदास ब्रजधाम कोहका में भंडारे का आयोजन हुआ जहां भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।

क्विज प्रतियोगिता के विद्यार्थियों को कराया सरसी आइलैंड का भ्रमण

सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरियापान, विकासखंड ढीमरखेड़ा के तीन छात्रों को मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा शहडोल जिले स्थित सरसी आइलैंड का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। चयनित छात्र एक रात एवं दो दिवस तक आइलैंड में रहकर पर्यटन गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करेंगे।यह भ्रमण मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप कराया जाता है, जिससे वे पर्यटन के महत्व को समझ सकें और अन्य विद्यार्थी भी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित हों। जिले के पर्यटन क्विज प्रभारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव के साथ उमरियापान से भ्रमण पर गए छात्रों में कक्षा 11वीं विज्ञान समूह के सूर्य कोल, साहिल पटेल एवं देवेंद्र पटेल शामिल हैं। जिले से चयनित सभी विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी राजेश अग्रहरी, अतिरिक्त परियोजना समन्वयक (समग्र शिक्षा अभियान) धनश्री जैन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसएस मरावी ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित को गुना से किया गया गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में फरार अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत कटनी की कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी नीतेश धाकड़ को गुना जिले से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले की शुरुआत 1 अगस्त 2025 को हुई थी, जब कटनी-पन्ना मोड़ निवासी एक महिला ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी को गणेश चौक से कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने तत्काल बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रेमजाल में फंसाया और किया गलत काम

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पीड़िता सोशल मीडिया के माध्यम से गुना निवासी एक युवक के संपर्क में थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बालिका को गुना से दस्तयाब (बरामद) किया। पीड़िता ने बयानों में बताया कि आरोपी नीतेश धाकड़ (21 वर्ष) ने उसे शादी का झांसा देकर प्रेमजाल में फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस की भनक लगते ही आरोपी बालिका को लावारिस छोड़कर फरार हो गया था।

बालिका के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 87, 64(1), 64(2) और पाक्सो एक्ट (3, 4, 5, 6) की बढ़ोतरी की। थाना प्रभारी राखी पाण्डेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।साइबर सेल और मुखबिरों की मदद से सूचना मिली कि आरोपी गुना लौट आया है और एक कारखाने में दिहाड़ी मजदूरी कर रहा है। पुलिस टीम ने गुना के इंडस्ट्रियल एरिया में दबिश दी और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी नीतेश धाकड़ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कटनी न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

उत्साह से मनाया गया मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम का प्रकटोत्सव

भये प्रकट कृपाला दीन दयाला, जय श्री राम से गुंजायमान रहे आस्था के धाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

चैत्र नवरात्रि के श्रीरामनवमी पर उमरियापान नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। राम मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जहां भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया।नगर के बड़ी माई मंदिर, कुदवारी मोहल्ला के श्रीराम मंदिर, कटरा बाजार, झंडा चौक सहित प्रमुख मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिरों में "भये प्रगट कृपाला दीनदयाला कौशिल्या हितकारीङ्ख" जैसे भजनों और रामधुन से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिरों में विशेष पूजन, भजन-कीर्तन एवं रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। दोपहर के समय भगवान श्रीराम के जन्म का उत्सव मनाते हुए आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया।

सिलौंडी में आयोजन

श्रीरामनवमी पर्व पर सिलौंडी, दशरामन ,कछार गांव ,खमरिया बागरी ,सहित आसपास के क्षेत्रों के राम मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। सिलौंडी के श्री राम मंदिर, श्री राम बाग, श्री बालाजी मंदिर, अवस्थी बाड़ा श्रीराम जानकी सहित प्रमुख मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिरों में "भये प्रगट कृपाला दीनदयाला कौशिल्या हितकारीङ्ख" जैसे भजनों और रामधुन से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंदिरों में विशेष पूजन, भजन-कीर्तन एवं रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। श्री राम बाग और श्री राम मंदिर दोपहर के समय भगवान श्रीराम के जन्म का उत्सव मनाते हुए आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया।

पुस्तक मेले में सांस्कृतिक आयोजन एवं व्यंजनों के स्टॉल भी लगेंगे

साधूराम स्कूल में तीन दिवसीय पुस्तक एवं गणवेश मेला आज से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्कूली बच्चों एवं अभिभावकों को प्रतिस्पर्धी एवं न्यूनतम दरों पर पाठ्य पुस्तकें कॉपियां और गणवेश उपलब्ध करवाने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी की पहल पर कटनी शहर के सुभाष चौक के समीप स्थित साधूराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय पुस्तक एवं गणवेश मेले का शुभारंभ शनिवार 28 मार्च को होगा। यह तीन दिवसीय मेला प्रतिदिन प्रातः 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

पुस्तक मेला में सभी निजी स्कूलों की किताबें उपलब्ध रहेंगी। पुस्तकों एवं कापियों के विक्रय के लिए पुस्तक विक्रेताओं एवं प्रकाशकों द्वारा करीब 40 से 50 स्टॉल लगाये जा रहे हैं। पुस्तक मेला में प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी होगा। इसके अलावा मेला स्थल पर व्यंजनों के स्टॉल भी लगाये जा रहे हैं तथा बच्चों के मनोरंजन के साधन भी मेला स्थल पर उपलब्ध रहेंगे। पुस्तक मेला में कैरियर काउंसलिंग भी की जायेगी। बच्चों एवं अभिभावकों के मार्गदर्शन के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किया जायेगा।

कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर पुस्तक एवं गणवेश मेला में बुक बैंक का स्टॉल लगाया जा रहा है और पुरानी पाठ्य पुस्तकों के संग्रहण एवं वितरण की व्यवस्था की गई है। बुक बैंक से गरीब और जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जायेंगी।

अधिकारियों की लगी ड्यूटी

पुस्तक एवं गणवेश मेला के आयोजन की प्रभारी अधिकारी जिला पंचायत की सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर होंगी। जबकि जिला शिक्षा अधिकारी राजेश अग्रहरी और जिला परियोजना समन्वयक प्रेमनारायण तिवारी सहित अन्य अधिकारियों को सहयोगी अधिकारियों का दायित्व सौंपा गया है। ये सभी अधिकारी मेला स्थल की संपूर्ण व्यवस्था, स्टॉल बुकिंग, स्टॉल आबंटन, टेंट पंडाल व्यवस्था , सांस्कृतिक कार्यक्रम स्टॉल के दुकानदारों से समन्वय और पुरानी पुस्तकें प्राप्त कर बुक बैंक के स्टाल की व्यवस्था संबंधी जिम्मेदारी एवं छात्र-छात्राओं के कैरियर काउंसलिंग का दायित्व संभालेंगे। इसके अलावा एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी को मेला स्थल पर कानून व्यवस्था बनाये रखने और नगर निगम से साफ -सफाई का दायित्व सौंपा गया है। इनके सहयोग के लिए उपायुक्त नगर निगम शैलेष गुप्ता की भी ड्यूटी लगाई गई है।

कलेक्टर ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेला स्थल में दुकानों को सुरक्षा की जिममेदारी और सुचारू यातायात का दायित्व सौंपा है। इसके अलावा धनश्री जैन एडीपीसी को मंच व्यवस्था, सभी अशासकीय विद्यालयों से समन्वय, पुस्तक विक्रेता व प्रशासकों से समन्वय, शिकायत निराकरण का कार्य सौंपा गया है। जबकि सीएमएचओ डॉ राज सिंह ठाकुर को मेला स्थल पर एंबुलेंस व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं तथा फूड स्टॉल पर विक्रय होने वाली खाद्य सामग्री की जांच का दायित्व दिया गया है ।इसी प्रकार अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग को पुस्तक एवं गणवेश मेला स्थल में विद्युज व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

मेला कार्यक्रम स्थल पर कानून एवं शांति व्यवस्था हेतु एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी द्वारा तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी कार्यक्रम समाप्ति तक के लिये लगाई गई है। कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु 28 मार्च को नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कटनी नगर साक्षी शुक्ला कि ड्यूटी लगाई गई है। 29 मार्च को नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कटनी आशीष चतुर्वेदी को कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कटनी अतुलेश सिंह 30 मार्च को कानून एवं शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे।

रेत एवं मुरूम का अवैध परिवहन करते हाईवा एवं ट्रेक्टर ट्राली जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

उमरियापान पुलिस ने मुरूम का अवैध रूप से परिवहन कर रहे एक हाईवा को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम परसेल में हाईवा क्रमांक MP20-H-4832 को रोका गया जिसमें मुरूम लोड थी। पुलिस ने वाहन चालक अजय लोधी 32 वर्ष निवासी ग्राम बरौदा से मुरूम परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और रॉयल्टी रसीद (TP) की मांग की तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। ऑनलाइन पोर्टल पर भी वाहन की कोई वैध टीपी नहीं पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी द्वारा अवैध परिवहन पाए जाने पर हाईवा को जब्त कर पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने मामले को आगामी कार्यवाही हेतु कलेक्टर कार्यालय (खनिज विभाग) कटनी को भेज दिया है।

इसी तरह खितौली पुलिस ने भी रेत का अवैध परिवहन करते बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर खितौली पुलिस ने ग्राम करेला सोसायटी मार्ग के पास एक बिना नंबर के ट्रैक्टर ट्राली जिसमें रेत से भरी थी को रोका गया।वाहन चालक द्वारा रेत परिवहन के वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया गया। जब्त वाहन को सुरक्षा की दृष्टि से चौकी परिसर खितौली में खड़ा कराया गया है एवं संबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।कार्रवाई में चौकी प्रभारी खितौली ऋषभ सिंह बघेल, आरक्षक आशीष पटेल, दिलीप कुमार कोल, अंकित एवं सैनिक ब्रजेश सिंह की मुख्य भूमिका रही।

खबर संक्षेप

अलग-अलग हादसों में एक की मौत, कई हुए घायल

कटनी। बरही, कुठला, बड़वारा और एनकेजे थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बरही थाना क्षेत्र के कुठिया महगवां से बगैहा रोड पुल के पास एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने धनीराम चौधरी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि धनीराम चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। बरही पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसी तरह कुठला थाना क्षेत्र के मोहन नगर टिकरवारा में ट्रक क्रमांक AP-39-UD-1256 के लापरवाही पूर्वक तरीके से ओवरटेक करने के प्रयास में दूसरे ट्रक को साइड से टक्कर मार दी। इस हादसे में चंडीकानगर निवासी राम नरेश मिश्रा 70 वर्ष घायल हो गए। कुठला क्षेत्र के ही नायरा पेट्रोल पंप के पास एक अन्य हादसे में बाइक क्रमांक MP-21-ZA-3043 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्वास्तिक तिवारी 17 वर्ष को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। इसी तरह बड़वारा थाना के ग्राम मझगवां में बाइक क्रमांक MP-21-ZG-1839 ने राजकुमार कुशवाहा 50 वर्ष को टक्कर मार दी। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं एनकेजे थाना के प्रेमनगर में अज्ञात वाहन की टक्कर से मदन सेन 38 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। एनकेजे पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

जनगणना 2027 हेतु ट्रेनर्स को कराया गया फील्ड विजिट

कटनी। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में फील्ड ट्रेनर्स के प्रथम बैच के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण से संबंधित प्रक्रियाओं, तकनीकी पहलुओं एवं कार्यप्रणाली की समग्र जानकारी प्रदान करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान तृतीय दिवस में प्रतिभागियों को तहसील कटनी नगर के ग्राम कैलवारा खुर्द में फील्ड विजिट के माध्यम से वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव भी दिया गया। फील्ड विजिट के दौरान तहसीलदार डॉ अवंतिका तिवारी, जिला प्रभारी दीपिका कुमारी, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर राकेश बारी एवं प्रभारी अधिकारी विवेक दुबे उपस्थित रहे। फील्ड विजिट के उपरांत प्रतिभागियों के साथ फील्ड स्तर पर आने वाली संभावित चुनौतियों, उनके समाधान एवं कार्य के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु आवश्यक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स आगे जिला स्तर पर पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जनगणना कार्य को अधिक सटीक, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न किया जा सके। द्वितीय बैच को प्रशिक्षण 1 अप्रैल से 3 अप्रैल तक दिया जाएगा।

भागवत गीता के महा वाक्यों को अपने जीवन में उतारें

सिलौड़ी। श्रीमद भगवत गीता के महा वाक्यों को अपने जीवन में उतारें। उक्त विचार राज योगिनी बी के भावना बहिन ने सिलौंडी के श्री राम मंदिर में आयोजित भागवत गीता, रामायण पर आधारित सप्त दिवसीय आध्यात्मिक गीता ज्ञान यज्ञ के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं से कही। दीप जलाकर आयोजन का शुभारंभ किया गया। इसके पूर्व नगर में शोभायात्रा निकाली गई जिसमें मुख्य रूप से श्रीमती ललिता राय, सुरेश राय, अनिल राय, जिला मंत्री भाजपा डॉक्टर प्रशांत राय, डॉ अन्नु राय, अमित राय मंडल उपाध्यक्ष, डॉ सुनील राय, आशीष राय, जीवन लाल राय, हेमंत राय ,राजनारायण राय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।

लोक एवं भक्ति गायन के साथ नृत्य नाटिका में दिखी श्रीराम की महिमा

श्रीराम की महिमा से आलोकित हुआ भरभरा आश्रम का शिव मंदिर परिसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिला प्रशासन, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास और संस्कृति विभाग, द्वारा श्रीरामनवमी के पावन पर्व पर कलानुशासनों में श्रीरामचंद्र की महिमा केन्द्रित' आविर्भाव समारोह' का आयोजन शुक्रवार 27 मार्च, को सायं 6:30 बजे से उमरियापान क्षेत्र के शिव मंदिर, भरभरा आश्रम में किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा यह आयोजन जिला प्रशासन, के सहयोग से किया गया, जिसमें श्रद्धा, भक्ति और शास्त्रीय-सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के अनुपम संगम ने दर्शकों का मनमोह लिया।

जबलपुर के लोकगायक भवानीदास अहिरवार ने बुंदेली लोकगायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने जनम लये राजा राम ने अवध में.... हमखे लगे बड़े प्यारे बड़े लाल हो गये तुम्हारे.... राम लखन सिया जानकी जय बोलो हनुमान की.. .. जो लो राम जियावे रे, दो बातें.... मन भज लैयो राम नाम तारन हारो..., बम-बम भोला नाथ जय-जय माता पार्वती.... जीवनदान दे रही माँ सबको ज्ञान दे रही माँ नर्मदा... जैसे भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। राम भक्ति और शिव स्तुति से सजी उनकी गायकी ने श्रोताओं के हृदय को छू लिया, वहीं, माँ नर्मदा पर आधारित गीत ने आध्यात्मिक भावों को नई ऊँचाई दी।

अगली प्रस्तुतिश मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम कथक नृत्य नाटिका की हुई। नृत्य नाटिका की संकल्पना एवं कोरियोग्राफी कथक नृत्यांगना डॉ. श्यामा पंडित द्वारा की गई है। प्रस्तुति में भगवान श्रीराम के जी वन के प्रमुख प्रसंगों राम-सीता वनवास, सीता हरण, राम की शक्ति पूजा तथा रावण वध को नृत्य के माध्यम से अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। तीनताल में निबद्ध इस प्रस्तुति के साथ तोड़े, टुकड़े, परन एवं तिहाइयों के माध्यम से लय, गति और ताल की जटिलताओं को दर्शाया गया। वहीं, भाव पक्ष रूपक ताल में अभिव्यक्त रहा, जहाँ अभिनय, मुखाभिनय एवं गत-भाव के माध्यम से कथा के संवेदनशील एवं भावनात्मक प्रसंगों को जीवंत कर दिया।श राम की शक्ति पूजाश प्रसंग ने भक्ति, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा के गहन चित्रण को प्रस्तुत किया, जबकि रावण वध के दृश्य ने वीर रस से परिपूर्ण हो कर दर्शकों में उत्साह और ऊर्जा का संचार कर दिया।

अंतिम मंचन में बुरहानपुर के नितेश सिंह एवं साथी कलाकारों ने भक्तिगायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने गणेश वंदना म्हारा कीर्तन में रस बरसाओ... मंगलाचरण के साथ ही पूरे आश्रम परिसर की आध्यात्मिक भावभूमि को भक्ति रस की धारा से सराबोर कर दिया। इसके पश्चात नगरी हो अयोध्या सी रघुकुल सा घराना हो.... दुनिया चले ना श्रीराम के बिना... , मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जायेंगे... गीतों का गायन कर स्वर-साधना की परिपक्वता, संगतकारों के साथ सधा हुआ सामंजस्य तथा भावाभिव्यक्ति की सहजता को पेश किया। अगले कड़ी में श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में... और रामजी की निकली सवारी... जैसे भक्तिगीतों की श्रंखला ने श्रोताओं को भक्ति-रस में निमग्न कर दिया। प्रत्येक रचना में निहित श्रद्धा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा नेवातावरण को भक्तिमय बना दिया, जिससे उपस्थित जनसमुदाय भाव-विभोर होकर तल्लीनता के साथ रसास्वादन करता रहा। मधुर धुनों, लयबद्ध प्रस्तुति और अंतर्मन को स्पर्श करने वाली अभिव्यक्ति ने पूरे आयोजन को एक आध्यात्मिक उत्सव में परिणित कर दिया।

जल ही जीवन है इसे अधिक से अधिक सहेजने का करें प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी के सेक्टर क्रमांक 3 कन्हवारा के ग्राम करहिया में जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रथम चरण जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति करहिया, और नवांकुर संस्था बारडोली वेलफेयर सोसायटी के साथ और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता रामानुज पांडेय के सहयोग से जल शक्ति से नव भक्ति सुरक्षित जल, समृद्ध कल के अंतर्गत जागरूकता का संदेश देने के लिए ग्राम वासियों के सहयोग से जल एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन की जागरूकता हेतु कलश यात्रा और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। उत्साह के साथ कलश यात्रा और जागरूकता रैली ग्राम से प्रारंभ होकर भ्रमण करती हुई खेर माई मंदिर में समाप्त हुई।

रैली में जल बचाओ, जीवन बचाओ। जल है तो कल है ,जल बचाना सरल है। जल नहीं बचाओगे, तो प्यासे रह जाओगे ।दादा दरी दादी करें पुकार, जल बचाओ बारंबार।जैसे उद्घोष के साथ जल संरक्षण का संदेश दिया गया। कलश यात्रा और जागरूकता रैली के समापन के पश्चात खेर माई मंदिर परिसर में ग्राम की महिलाओं एवं पुरुषों के द्वारा देवी भजनों की प्रस्तुति की गई तत्पश्चात परामर्श दाता रामानुज पांडे के द्वारा मंदिर परिसर में उपस्थित ग्राम वासियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रथम चरण में 27 मार्च तक आयोजित की जाने वाली विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सभी को अधिकतम वर्षा जल को संरक्षित करते हुए जल स्त्रोतों के संवर्धन में अपनी सहभागिता देने के लिए प्रेरित किया।

2585 रूपए प्रति क्विटल निर्धारित किया गया है गेहू का समर्थन मूल्य

गेहूँ उपार्जन हेतु 77 उपार्जन केंद्र किये निर्धारित, 7 अप्रैल से की जाएगी खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत कृषकों से 7 अप्रैल से 12 मई तक गेहूँ का उपार्जन किया जायेगा। जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने गेहूँ उपार्जन हेतु 77 उपार्जन केंद्र निर्धारित किये हैं और इनके पर्यवेक्षण एवं सुचारू संचालन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किये हैं।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूँ का समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। कृषकों से उपार्जन कार्य सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक 5 दिवस प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक किया जायेगा। शनिवार एवं रविवार को खाद्यान्न का परिवहन, भण्डारण एवं लेखा मिलान का कार्य किया जायेगा। कृषक उपज के विक्रय हेतु www.mpeuparjan.nic.in पर स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे।

यहाँ बने उपार्जन केंद्र

कटनी नगर तहसील में उपार्जन केंद्र कन्हवारा, कैलवारा चाका के लिए हल्का पटवारी निशांत पटेल, विपणन कटनी के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रामगोविंद पटेल और वृहताकार कटनी के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी जयेश दुबे को बनाया गया है। इसी प्रकार कटनी तहसील में उपार्जन केन्द्र पहाड़ी के लिए हल्का पटवारी प्रमोद दीक्षित, हीरापुर कौड़िया के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी राहुल मिश्रा और सिंघनपुरी के लिए हल्का पटवारी धर्मेन्द्र सिंह बागरी नोडल अधिकारी होंगे।

तहसील ढीमरखेड़ा में उपार्जन केन्द्र कुदवारी के लिए नोडल अधिकारी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी निशा सोलंकी, खाम्हा के लिए हल्का पटवारी कृष्ण कुमार सोनी, खमतरा के लिए हल्का पटवारी लम्मू सिंह मरावी और कटरिया के लिए हल्का पटवारी महेन्द्र कुमार राय, ढीमरखेड़ा के लिए हल्का पटवारी राहुल चौरसिया, पोंडीकला के लिए हल्का पटवारी मनीष कुमार दाहिया, दसरमन के लिए हल्का पटवारी जॉय चक्रवर्ती, कछारगांव के लिए हल्का पटवारी अनीष इक्का, सिलौड़ी (नेगई) के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रामेश्वर पंथी, कचनारी के लिए हल्का पटवारी विश्वनाथ सिंह और झिन्ना के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पंकज चोपड़ा होंगे। उपार्जन केन्द्र मुरवारी के लिए हल्का पटवारी दानसिंह प्रधान, देवरी मंगेला के लिए हल्का पटवारी कविता गोटिय और उमरियापान (मंडी प्रांगण) के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी स्नेहलता कोरचे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। तहसील बड़वारा में उपार्जन केन्द्र बड़वारा (राय वेयरहाउस) के लिए ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुभद्रा मुजलदे, विलायतकला, भजिया के लिए हल्का पटवारी भवन सिंह धाकड़, अमाड़ी के लिए पटवारी गौसमीन बानो, बसाड़ी के लिए पटवारी शुभलता सोनी, निगहरा के लिए पटवारी दीपमाला यादव और नन्हवारा सेझा के लिए पटवारी विवेक उर्मलिया नोडल अधिकारी होंगे।

दुर्गा माता मंदिर में कन्याभोज एवं भंडारे का हुआ आयोजन

चैत्र नवरात्र की नवमीं पर देवी मंदिरों में हवन पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। बरही रोड स्थित मां दुर्गा मंदिर में नवरात्र पर्व की नवमीं पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिर में आरती का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थित रही। नवरात्र पर्व की महानवमीं (रामनवमीं) के अवसर पर कन्याभोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारा प्रसाद प्राप्त करने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्य रूप से संरक्षक राजू अग्रवाल, विकास (विक्की) थरेजा, धनेश पंजवानी, विपिन ओबेराय, अमृतलाल हसानी, सतीश आहूजा, पिंकी मंगलानी, गौरव केसवानी, हरी, अनिल पमनानी, हिमांशु गुप्ता, सोनू जुसेजा, बबला ठाकुर, शंभू मंगलानी, राजू लोहरानी, रिषी थरेजा, राजू थरेजा, गोविंद राम, गर्वित थरेजा आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

सभी के प्रयासों से होगा जल संरक्षण एवं संवर्धन

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत रैपुरा में "जल शक्ति से नव भक्ति" कार्यक्रम के तहत भव्य जल कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था युवा सवेरा समिति द्वारा सेक्टर 5 में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रणय पांडे एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अजय 'पप्पू' मिश्रा द्वारा विधिवत गंगाजल कलश पूजन कर किया गया। इसके पश्चात ग्राम में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता हेतु विशाल रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, मातृशक्ति एवं युवाओं ने सहभागिता की।इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेंद्र सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्यामा बाई ठाकुर, उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र साहू, जनपद सदस्यगण रतीलाल चौधरी, कमलेश कोल, कमलेश पटेल, संतोष मांझी, ग्राम पंचायत सरपंच रितेश परौहा, सहित सेक्टर की समस्त पंचायतों के सरपंच, सचिव, जीआरएस एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही जन अभियान परिषद एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों की भी सक्रिय सहभागिता रही। रैली के उपरांत रैपुरा तालाब पर जल स्त्रोत का पूजन किया गया तथा युवा सवेरा समिति के अध्यक्ष गोवर्धन रजक द्वारा सभी उपस्थितजनों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के रूप में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अजय 'पप्पू' मिश्रा द्वारा तालाब संरक्षण एवं घाट सौंदर्यीकरण हेतु एक लाख रुपये की राशि प्रदान की गई, जिससे जल स्त्रोतों के संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में जगन सिंह मसराम द्वारा सभी से सहयोग की अपील की गई।

मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों को दिये निर्देश

कानून और सुरक्षा व्यवस्था की कड़ी निगरानी, करें, जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को कानून और सुरक्षा व्यवस्था की कड़ी निगरानी करने के निर्देश दिये। सभी एसपी जोनल प्लान तैयार करके 31 मार्च तक प्रस्तुत कर दें। नशीले पदार्थों के विरूद्ध अभियान चलाने के साथ-साथ जन जागरूकता अभियान चलाएं। एनकोर्ड समिति की हर महीने बैठक करके कार्यवाही विवरण पोर्टल पर दर्ज कराएं। सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का समय -सीमा में निराकरण कराएं। अविवादित नामांतरण तथा बटवारा के प्रकरण समय -सीमा में निराकृत करें। सभी जिले निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व का संग्रहण कराएं। स्वामित्व योजना में शेष लंबित प्रकरणों का निराकरण एक माह में कराएं। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है।

कटनी के कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष से कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार, वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार,अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल और सहित अन्य विभागों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से वर्चुअली जुड़े रहे।

मुख्य सचिव ने कहा कि मनरेगा योजना से जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से कराएं। इसे जल गंगा अभियान में शामिल करके पोर्टल पर प्रगति दर्ज करें। मनरेगा से दो लाख 51 हजार कार्य स्वीकृत हैं। इनमें जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता देने से जल गंगा संवर्धन अभियान अधिक प्रभावी बनेगा। एकल नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य 31 मार्च तक पूरा कराकर इन्हें ग्राम पंचायतों को समारोहपूर्वक हैण्डओवर करें। साथ ही सभी घरों में नल कनेक्शन और पानी की आपूर्ति भी सुनिश्चित कराएं। एकल नलजल योजनाओं के स्त्रोत तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाएं।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को प्राकृतिक खेती, खाद के ई टोकन से शत-प्रतिशत वितरण, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर निगरानी के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की प्रदेश में पर्याप्त उपलब्धता है। इस संबंध में आमजनों को लगातार जानकारी दें। बैठक में अधिकारियों को गेंहू उपार्जन की तैयारी, स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति के निर्देश दिये।

राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने तेजी लाने के दिये निर्देश

राजस्व वसूली की सुस्त चाल पर लगाई फटकार, आयुक्त ने दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने राजस्व वसूली कार्य में सुस्ती पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि शासन द्वारा प्रदान की गई छूट के बाद भी यदि लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं पाई जाती तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय मानी जाए। शुक्रवार सुबह आयोजित राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने वसूली कार्य में तेजी लाने और शासन द्वारा 31 मार्च तक बढ़ाई गई छूट योजना का अधिकतम लाभ नागरिकों तक पहुंचाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने कहा कि निगम के बकाया करों को समय पर जमा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। शासन द्वारा नेशनल लोक अदालत की तर्ज पर दी जा रही अधिभार छूट नागरिकों के लिए सुनहरा अवसर है, ऐसे में कोई भी पात्र व्यक्ति इससे वंचित न रहे। इसके लिए राजस्व अमला पूरी पारदर्शिता, तत्परता और जवाबदेही के साथ कार्य करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वयं पूरी टीम के साथ फील्ड में उतरकर बड़े बकायेदारों से संपर्क स्थापित करें, उन्हें छूट की जानकारी दें और समय सीमा के भीतर बकाया राशि जमा कराने की कार्यवाही करें। इस दौरान निगमायुक्त ने शासकीय कार्यालयों से सेवा कर की राशि की वसूली तथा गरीब बस्ती के अधिक से अधिक नागरिकों को शासन द्वारा दी जा रही छूट से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

वसूली कार्य की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के मुकाबले कम वसूली पाए जाने पर निगमायुक्त ने संबंधित वसूलीकर्ता शैलेष कुंडे, सचिन मिश्रा, शुभम प्यासी, दीपक रैकवार एवं महेश पटेल पर गहन नाराजगी व्यक्त की तथा प्रतिदिन की प्लानिंग निर्धारित कर वसूली हेतु तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की चेतावनी दी। वहीं राजस्व निरीक्षक विनोद सिंह चौहान द्वारा उत्कृष्ट वसूली करने पर उनके कार्यों के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की जाकर तालियों से उनका प्रोत्साहन किया गया।

निगमायुक्त ने वसूली अमले को वार्ड के शेष बकायेदारों पर विशेष फोकस कर उनसे रोजाना डोर टू डोर संपर्क करने तथा बड़े बकायेदारों द्वारा राशि जमा नहीं करने पर उनके खिलाफ अभियान चलाकर कुर्की, वारेंट, तालाबंदी, नल कनेक्शन विच्छेदन जैसी प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। निगमायुक्त ने वसूली दल के सदस्यों को शासन की चौटबॉट सेवा सहित ई नगरपालिका ऐप के माध्यम से घर बैठे बकाया करों का भुगतान कर मिलने वाली छूट का लाभ प्राप्त किए जाने की जानकारी से अवगत करने की भी बात कही। इस दौरान निगमायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

जलकर वसूली की समीक्षा के दौरान कम वसूली पर निगमायुक्त ने गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि छूट के इस सुनहरें अवसर का लाभ प्रत्येक व्यक्ति लेना चाहेगा। जलकर वसूली हेतु गठित अमला बकायेदारों से घर जाकर संपर्क करें और उन्हे शासन द्वारा दी जा रही छूट की जानकारी से अवगत कराकर बकाया राशि निगम कोष में जमा कराने सहित बड़े बकायेदारों द्वारा राशि जमा नहीं किए जानें पर नल कनेक्शन विच्छेदन की प्रभावी कार्यवाही प्रस्तावित करने निर्देश दिये।

सरस्वती शिशु मंदिर छात्र-छात्राओं का रहा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

सरस्वती शिशु मंदिर बड़वारा की कक्षा अष्टम एवं पंचम के भैया/ बहनों ने परीक्षा परिणाम में सफलता का परचम लहराया। कक्षा अष्टम कृष्णा गुप्ता सुशील कुमार गुप्ता 89%, सतीश सिंह पिता राजकुमार सिंह 85.33%, पूजा रजक पिता जितेंद्र कुमार रजक 85%, आशिक कुमार यादव पिता राजेंद्र कुमार यादव 84%, ज्ञानती पटेल पिता रामकुमार पटेल 81.33%, सौरभ सिंह पिता अर्जुन सिंह 78.83 %,विकास भूमिया पिता महेश कुमार भूमिया 78%, सुहाना भुमिया पिता शिव कुमार भुमिया 77.5 %,अंकुश कुमार कुशवाहा पिता अवधेश कुमार कुशवाहा 75.66 %,हिमांशु कुमार श्रीवास्तव पिता कमलेश श्रीवास्तव 75.33 %,इसी प्रकार कक्षा पंचम में मोइन मंसूरी पिता हाफिज मोहम्मद जमील 81.5 %,शिवम चौहान पिता कमल सिंह चौहान 81.5 %,आदर्श बर्मन पिता कामता बर्मन 78.5%, लक्ष्मी यादव पिता ओम प्रकाश यादव 78.5%, जन्नत यादव पिता जगदीश यादव 76 %,चंचल मौर्यपिता अवधेश कुमार 75% अंक प्राप्त किए कक्षा अष्टम में 80% से 95% तक 5 भैया/ बहन 70 %से 79% तक 12 भैया बहन 60 %से 70% तक 4 इसी प्रकार कक्षा पंचम में 80% से 95% तक 2भैया/ बहन 70 %से 80 %तक 10 भैया /बहन और 60 %से 70 %तक 9 भैया/ बहनों ।प्रधानाचार्य राजेश कुमार दुबे , मनीषा दुबे ,राकेश निगम, रामलाल नामदेव ,शीलू कोरी, संदीप बर्मन, सोनाली सोनी ,डोली सेंगर, संध्या सोनी, प्रिया निगम सभी को शुभचिन्तकों एवम अभिवावकों द्वारा बधाई दी गई है।

अखाड़ों के साथ शोभायात्रा में श्रीराम, शिवजी , रामभक्त हनुमान की झांकियां रहीं शामिल, मंदिर मस्जिद चौराहा रहा आकर्षण का केंद्र

रामनवमी पर निकली ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

रामनवमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार को उपकाशी हटा में ऐतिहासिक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। अनुशासन के साथ शोभायात्रा में शामिल लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए। जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। कोई पुष्पवर्षा करके तो कोई शीतल पेय और कोई आइसक्रीम खिलाकर तो कोई पानी पिलाकर स्वागत करते से नगर के बजरिया मार्ग से गुजरते हुए पुनः राम मंदिर पहुंची जहां देर रात भव्यता के साथ समापन किया गया।

पांच अखाड़े के साथ 11 शोभायात्रा रही शामिल

रामनवमी की शोभायात्रा कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान ताल मंदिर ककराई से प्रारंभ हुई जो खचना नाका पर विंध्यवासिनी माता मंदिर की शोभायात्रा शामिल हुई वहीं कलेही माता अखाड़ा, अखाड़े में भगवान श्री सीताराम, राम भक्त हनुमान की सचित्र सुंदर झांकियां शोभायात्रा में सम्मिलित होकर नगर रहे। शोभायात्रा में प्रभु श्रीराम की आकर्षक झांकियां, भगवान शिव, राम भक्त हनुमान की सुन्दर झाँकिया शामिल रही। शोभायात्रा नगर के अलग-अलग इलाकों से प्रारंभ होकर राम मंदिर पहुंची जहां के अंधियारा बगीचा से मंदिर मस्जिद चौराहा होते हुए बस स्टैंड पहुंची जहां से मौजानंद आश्रम हनुमान मंदिर बजरंग अखाड़ा के साथ बड़ा बाजार पहुंची जहां बिहारी जी सरकार शोभायात्रा में सम्मिलित होकर श्रीराम मंदिर में सम्मिलित हुई इसी के साथ विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। जो बजरिया से बसी सागर के रास्ते से चंडी जी मुख्य मार्ग से भ्रमण करते हुए नायक तिगड्डा राय चौराहा से मंदिर मस्जिद चौराहा पहुंची।

मंदिर मस्जिद चौराहा रहा आकर्षण का केंद्र

सभी अखाड़ों के साथ शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए हृदय स्थल मंदिर मस्जिद चौराहा पहुंची जहां चौराहा पर विशेष रंगीन लाइटों के साथ भगवान श्री राम की झांकी के साथ भक्तों द्वारा सजाया गया था जहां पर बड़े-बड़े डीजे की ध्वनि से समूचा नगर जय श्री राम एवं देवी के जयकारों से गूंज उठा पुर चौराहा धर्म में माहौल में अयोध्या जैसा प्रतीत हो रहा था। हजारों की संख्या में राम भक्त भगवा ध्वज लहराते हुए डीजे के साथ नाचते गाते हुए जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोषों के साथ भक्तिमय मय माहौल में रंगे हुए आनंदित हो रहे थे।

जगह-जगह स्वागत

रामनवमी को विशाल शोभायात्रा का सकल हिन्दू समाज द्वारा मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पंडाल लगाकर भगवान की सचित्र झांकियों की पूजा अर्चना कर शोभायात्रा में सम्मिलित भक्तों को शीतल पेय प्रसाद वितरण कर धर्म लाभ उठाया। शोभा यात्रा में सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु एसडीएम राकेश मरकाम एसडीओपी सौरभ त्रिपाठी, तहसीलदार आलोक जैन नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र खरे, थाना प्रभारी सुधीर बेगी दल-बल सहित शोभायात्रा के साथ तैनात रहा जिससे चल समारोह में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ा जिससे शोभायात्रा शांतिमय माहौल में संपन्न हुई।

महावीर जयंती पर 30 मार्च को अवकाश घोषित किया जाए

जबेरा। सकल जैन समाज जबेरा की मांग है कि, आगामी 30 मार्च को जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती है जो सम्पूर्ण देश भर में प्रतिवर्ष बड़ी धूम धाम से मनाई जाती है। पर इस वर्ष 30 मार्च की बजाय 31 मार्च को महावीर जयंती के अवकाश घोषित होने के चलते सम्पूर्ण प्रदेश भर में जैन समाज मे आक्रोश एवम नाराजगी है तथा वह अलग अलग जगह 30 मार्च को अवकाश घोषित करने की माग को लेकर ज्ञापन सौप रही है इस क्रम सकल दिगम्बर जैन पंचायत भोपाल के अध्यक्ष की ओर से भी मुख्यमंत्री को अपना ज्ञापन प्रेषित कर इसे संशोधन करने की माग की है जिसके समर्थन में दमोह विधायक एवम पूर्व मंत्री जयंत मलैया , पशुपालन मंत्री लखन पटेल, बंडा विधायक सहित प्रदेश के कई जनप्रतिनिधियों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री से 30 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर अवकाश घोषित करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखा है। इस स न्दर्भ मे अंतरराष्ट्रीय जैन संघ के संयोजक राजेश जैन ने कहा है कि जैन पंचांग के अनुसार त्रयोदशी 30 मार्च को है और त्रयोदशी के दिन ही भगवान महावीर स्वामी का जन्म हुआ था अतः सम्पूर्ण भारत सहित विश्व भर में जैन समाज भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती 30 मार्च को मना रहा है उसी दिवस सम्पूर्ण देश एवम विदेश के जैन मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित होंगे ।किंतु यह बहुत ही अफसोस कि बात है कि मध्य प्रदेश शासन ने बगैर जैन समाज के पंडित या साधु संतों से विचार विमर्श किये 31 मार्च को महावीर जयंती के अवकाश घोषित कर दिया जिसका जैन समाज को कोई ओचित्य नही है। इसलिए पूरे देश की जैन समाज अपने अपने प्रदेश में इस अवकाश को 30 मार्च को घोषित करने हेतु शासन प्रशासन को पत्र लिख रहे है जिसके आधार पर राजसथान राज्य , उत्तराखंड एवम मध्यप्रदेश हाइकोर्ट ने अपने यहां 30 मार्च को अवकाश की घोषणा कर दी है । इसी प्रकार सकल जैन समाज मध्यप्रदेश एवम अंतरराष्ट्रीय जैन संघ द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 30 मार्च को अवकाश की घोषणा करने की मांग की जा चुकी है। इसके बाद भी यह संशोधित न किया जाना जैन समाज की जायज माग को अनदेखा किया जाना है जिससे जैन समाज मे काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

तेंदूखेडा में श्रीराम जन्मोत्सव पर उमड़ा आस्था का सैलाब

तेंदूखेड़ा। रामनवमी के पावन अवसर पर नगर में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर आयोजित इस पर्व को लेकर नगर में कई दिनों पूर्व से ही भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया था। चैत्र नवरात्रि के आरंभ के साथ ही घर-घर भगवा ध्वज लहराते दिखाई दिए तथा "जय श्रीराम" के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसकी तैयारियां विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं नगर के धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा लगभग दो माह पूर्व से प्रारंभ कर दी गई थीं। रविवार सायं 5 बजे नगर स्थित श्रीराम मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई बस स्टैंड, तारादेही तिराहा, ब्लॉक परिसर स्थित पंचवटी मंदिर, वार्ड क्रमांक 10 एवं 9 तथा सुपर मार्केट क्षेत्र से होकर पुनः श्रीराम मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं हनुमान जी की सजीव एवं मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा के अग्रभाग में डीजे, बैंड-बाजे एवं आतिशबाजी के साथ श्रद्धालु भक्त नाचते-गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। पूरे मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पेयजल, मिष्ठान एवं अन्य सेवाओं की व्यवस्था की गई, जिससे यात्रा में सम्मिलित लोगों को सुविधा प्राप्त हुई। नगर परिषद द्वारा आयोजन से पूर्व सड़कों की विशेष साफ-सफाई एवं पानी का छिड़काव किया गया, जिससे स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित हुआ। शोभायात्रा के समापन पर श्रीराम मंदिर में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार भगवान विष्णु ने त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों से पृथ्वी को मुक्त करने हेतु श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। रामनवमी का पर्व इसी दिव्य अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है तथा यह नवरात्रि के समापन का भी प्रतीक है। इस भव्य आयोजन में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने उत्साह एवं भक्ति के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

रामनवमी पर्व पर निकला भव्य जुलूस

गैसाबाद। जगत के पालनहार मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी सरकार प्रभु राम का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया श्री राम जानकी मंदिर से गाजे बाजे के साथ भगवान राम की मनमोहक झांकी निकाली गई। जुलूस में भगवान प्रभु राम के विग्रह के पीछे सैकड़ो की तादाद में भक्तजन जय जय सियाराम का जय घोष करते हुए नगर भ्रमण को निकले ग्राम के मुख्य मार्गो में से होता हुआ जुलूस बस स्टैंड, हनुमानगढ़ी मंदिर से होते हुए श्री बड़े हनुमान जी सरकार एवं बैंक चौराहा से होते हुए पुनः श्री राम मंदिर पहुंचा जहां पर मंदिर के पुजारी पंडित श्री गणेश पांडे जी ने प्रभु श्री रामचंद्र जी की विधिवत पूजा अर्चना कर जुलूस में सम्मिलित श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर स्वागत वंदन किया। जुलूस में प्रथम बार बाहर से आए कलाकारों द्वारा नृत्य की विशेष प्रस्तुति दी गई जिसे देखकर लोग मदमुक्त हो गए। इस धार्मिक कार्यक्रम में पंडित गिरजा उपाध्याय जुगल पटेल लंबरदार सरपंच, गोलू उपाध्याय जनपद सदस्य मान बहादुर श्रीवास्तव अरविंद नगरिया विनोद अहिरवार सरपंच प्रतिनिधि लक्ष्मण तिवारी रणधीर दहिया प्रमोद नगरिया शोभित पांडेय जितेंद्र चौरसिया मुकेश पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही इस धार्मिक पर्व पर थाना प्रभारी सौरभ शर्मा अपने पूरे दलबल के साथ उपस्थित रहे।

सुदामा चरित्र सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

हिण्डोरिया। नगर के खैया मुहल्ला के माता ज्वाला माई के मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन कथा वाचक पंडित श्री अनिल शास्त्री महाराज ने सुदामा चरित्र का वर्णन किया जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। पंडित अनिल शास्त्री महाराज जी ने सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता को सच्चे प्रेम, त्याग और समर्पण का सर्वोत्तम उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि सुदामा ने जीवन भर अभावों में रहकर भी संतोष और श्रद्धा का मार्ग नहीं छोड़ा, गुरु कुल काल की स्मृतियों का वर्णन करते हुए श्रीकृष्ण और सुदामा के गहरे स्नेह को रेखांकित किया। आगे कहा कि भगवान को धन दौलत या बाहरी दिखावा नहीं सच्चा प्रेम और भक्ति प्रिय होती है सुदामा द्वारा लाए गए साधारण चावल को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अत्यंत प्रेम पूर्वक स्वीकार करने और उनके सम्मान में स्वयं चरण धोने का प्रसंग सुनाया और बताया कि जब सुदामा द्वारका से लौटे तो उनकी कुटिया के स्थान पर भव्य महल बन चुका था।इसे भगवान की कृपा और सच्ची भक्ति का प्रतिफल बताया, उन्होंने कहा कि जो भक्त निष्कपट भाव से भगवान का स्मरण करता है उसके जीवन के कष्ट दूर होते हैं और उसे सुख समृद्धि प्राप्त होती है उक्त अवसर पर यजमान प्रेम रानी चौरसिया ,संतोष चौरसिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

स्वामी रामदेवजी का दीक्षा दिवस मनाया

दमोह। पतंजलि परिवार दमोह के द्वारा जटाशंकर पहाड़ी सर्किट हाउस के पीछे योग वाटिका भगवान दत्तात्रेय मंदिर में स्वामी जी महाराज का सन्यास दीक्षा दिवस हवन पूजन के साथ मनाया गया इस अवसर पर पतंजलि योग पीठ हरिद्वार के आजीवनसदस्य एवं मध्य प्रदेश पूर्व के दान संग्रह प्रभारी डॉक्टर केदारनाथ शर्मा ने दान की महिमा एवं पतंजलि के समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को बताया। इस अवसर पर डॉक्टर केदारनाथ शर्मा जी के सद प्रयासों से दो आजीवन सदस्य सोवेंद्र गुप्ता कैलाश भंडार एवं संतोष नागवानी आजीवन सदस्य बनने की इच्छा जाहिर की। पंडित कृष्ण कुमार परोहा ने जटाशंकर पहाड़ी में योग वाटिका दत्तात्रेय मंदिर एवं सर्किट हाउस योग स्थल में चल रही पतंजलि योग समिति द्वारा संचालित निशुल्क योग कक्षाओं में आमजन से प्रातः 6:30 से 7:30 तक आकर योग से निरोग रहने की अपील की। स्वस्थ एवं सुखी जीवन का आधार योग है इसलिए रोज करें योग और रहें निरोग।

संयुक्त सचिव का दमोह दौरा 30 मार्च को

दमोह। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव और केंद्रीय प्रभारी अधिकारी अजीत कुमार 30 मार्च को दमोह जिले का दौरा करेंगे। यह दौरा 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' के अंतर्गत विकास कार्यों की समीक्षा के लिए किया जा रहा है। वे 30 मार्च को प्रातः 11 बजे दमोह आयेंगे। दोपहर 12 से 02 बजे तक जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित में शामिल होंगे। दोपहर 02 से 03 बजे तक का समय रिजर्व रखा गया हैं। बैठक के बाद अपरान्ह 03 बजे फील्ड विजिट के माध्यम से विकास कार्यों का जमीनी निरीक्षण भी करेंगे। शाम 06:30 बजे जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

हॉकी मप्र महासचिव सम्मानित

दमोह। हॉकी मध्य प्रदेश के लिए गौरव के पल रहा जब हॉकी इंडिया द्वारा दिल्ली मे आयोजित वार्षिक सम्मेलन मे हॉकी मध्य प्रदेश महासचिव लोकबहादुर को सर्वश्रेष्ठ संघ के रूप मे सम्मानित किया तथा दस लाख की राशि भी प्रदान की। हॉकी मध्य प्रदेश के विभिन्न आयोजन एवम सहभागिता हेतु यह राशि प्रदान की। इस अवसर पर हॉकी इडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोलानाथ जी, कोषाध्यक्ष जे कुमारन उपस्थित रहे। हॉकी मध्य प्रदेश को सोलह वर्ष से वर्तमान तक तेतीस मेडल प्राप्त हुये। हॉकी मध्य प्रदेश की उपलब्धि पर मध्य प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग पूर्व मंत्री, विधायक जयंत मलैया, मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव दिग्विजय सिंह, हाकी मध्य प्रदेश से गोर मास्साब, विजय वर्मा, ललित नायक, जगेनदर तोमर, सहसचिव किशोर शुक्ला, मकसूद राजेश गढवाल, हरिशंकर यादव, राजेश आभा, रोहित भगवान सिंह कफील खान विजय अल्ताफ खान हॉकी मध्य प्रदेश महिला साई कोच सरोज राजपूत विकास जैन तरूण नामदेव विवियन आदि ने बधाई प्रेषित की है।

आनंद धाम में आज होगी महाआरती एवं भंडारा

जबेरा। चैत्र मास की नवरात्रि के पावन पुनीत अवसर पर जबेरा नगर के नजदीक ग्राम पुरे नहाऊ स्थित आनंद धाम में बीते 9 दिन से आस्था एवं भक्ति का अनवरत महोत्सव जारी है जिससे संपूर्ण जबेरा एवं आसपास का क्षेत्र माता रानी की भक्ति में लीन है। मंदिर परिसर में सुबह 4:00 बजे से लेकर के देर रात्रि तक भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है इस कारण यह पूरा क्षेत्र भक्ति मय माहौल में सराबोर नजर आ रहा है। यहां पर विराजमान मां काली की प्रतिमा का प्रतिदिन विशेष श्रृंगार किया जा रहा है जिसे देखने के लिए दूर दराज से भक्तगण पहुंच रहे हैं सुबह एवं शाम को होने वाली भव्य महा आरती में बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर के पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। वही मंदिर परिसर में स्थानीय महिला मंडल के द्वारा प्रतिदिन भजन कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है, जिससे वातावरण पूरी तरह से आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है । धार्मिक आयोजनों के बीच नन्ही नन्ही कन्याओं के द्वारा माता के भजनों पर प्रस्तुत की जा रही मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं का विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। दर्शन के लिए आए हुए भक्तों का कहना है कि आनंद धाम में मां के दर्शन करके उन्हें मानसिक शांति एवं सुकून का आभास होता है। नवरात्रि के इस पुनीत अवसर पर पुरे न हाऊ सहित संपूर्ण क्षेत्र में मां की भक्ति का रंग चढ़ा हुआ साफ नजर आता है। इसी क्रम में आज 28 मार्च शनिवार को गुरुदेव दंडी स्वामी आनंद धाम पीठाधीश्वर नर्मदानंद (रंजीतानंद सरस्वती) महाराज के सानिध्य में भव्य महा आरती एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, मंदिर समिति एवं आयोजकों ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओ ,क्षेत्र वासियों से इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होकर के पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

हटरी चौंसठ योगिनी माता धाम में निकला अनोखा जवारा विसर्जन जुलूस

बनवार/दमोह। जिले से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित हटरी गांव का प्रसिद्ध चौंसठ योगिनी माता धाम चैत्र नवरात्रि की नवमी पर एक बार फिर आस्था का प्रमुख केंद्र बना रहा। यहां आयोजित अनोखे जवारा विसर्जन को देखने के लिए न केवल दमोह बल्कि आसपास के जिलों से भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे क्षेत्र में भक्ति, उत्साह और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। नवमी के दिन सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगना शुरू हो गई थी। भक्तजन विधि-विधान से स्थापित जवारे माता के चरणों में अर्पित करने पहुंचे। ढोल-नगाड़ों, जयकारों और भक्ति गीतों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। हटरी में जवारा विसर्जन के दौरान बुंदेलखंड की प्राचीन परंपरा का विशेष रूप देखने को मिला। श्रद्धालु अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए शरीर में नुकीले बाना (लोहे की सुई) छिदवाते हैं। कई स्थानों पर एक ही बाना में दो से तीन भक्त गालों में छेदकर "भाव खेलते" नजर आए। इस दृश्य को देखकर उपस्थित लोग आश्चर्यचकित रह जाते हैं, वहीं श्रद्धालु इसे माता रानी की असीम कृपा और शक्ति का प्रतीक मानते हैं। इस धार्मिक आयोजन की एक और विशेषता रही दंडवत यात्रा। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मीलों दूर से दंडवत करते हुए माता के दरबार पहुंचे। कठिन तपस्या जैसी इस यात्रा में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल रहे, जो अपनी श्रद्धा और विश्वास का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते नजर आए। स्थानीय मान्यता के अनुसार, मनोकामना पूर्ण होने पर भक्त इसी प्रकार बाना धारण कर, जवारे अर्पित कर और भाव खेलकर माता का आभार प्रकट करते हैं। यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है, जिसे आज भी पूरे श्रद्धा भाव के साथ निभाया जा रहा है। जवारा विसर्जन के दौरान बड़े-बड़े बाना धारण किए श्रद्धालुओं के समूह ने चल समारोह निकाला, जिसमें एक-एक बाना में एक दर्जन तक लोग शामिल होकर भक्ति का प्रदर्शन करते नजर आए। यह दृश्य पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा। हटरी स्थित चौंसठ योगिनी माता धाम में आयोजित यह अनोखा जवारा विसर्जन न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि बुंदेलखंड की समृद्ध धार्मिक परंपराओं और लोकविश्वासों की जीवंत झलक भी प्रस्तुत करता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था और भक्ति का विशेष केंद्र बना रहा।

नवरात्रि के समापन पर भक्तिभाव से किया जवारों का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

शक्ति की भक्ति के महापर्व चैत्र नवरात्रि का समापन शुक्रवार को नवमी पर हटा में भक्तों द्वारा माता की पूजा अर्चना कर जवारे विसर्जन कर किया गया। विगत 19 मार्च से प्रारंभ हुए नवरात्र पर्व पर नगर में मां चंडी जी, शीतला माता मंदिर, मां पीतांबरा मंदिर कलेही माता मंदिर के अलावा अन्य देवी दिवालों में माता के भक्तों द्वारा पूरे भक्ति भाव से 9 दिनों तक मां की उपासना सधना में लीन रहे। नवमी के दिन माता के भक्तों ने देवी मंदिरों में पहुंचकर पूजा अर्चना की इसी के साथ अपने-अपने घरों में कुलदेवी की पूजा की। जगह-जगह कन्याओं का पूजन कर कन्या भोज भंडारे के आयोजन किए गए। वहीं जिन भक्तों द्वारा चैत्र नवरात्रि का व्रत रख रहे थे उन्होंने मां का आशीर्वाद और जवारो के दर्शन कर व्रत का समापन किया। संध्याकालीन बेला में नगर के देवी दिवालों के अलावा पंडों के दिवालों पर रखे गए जवारे। भक्तों द्वारा माता का भजन कीर्तन करते हुए भक्तों ने मुंह में बाना छेदकर देवी की आस्था का अनूठा परिचय देते हुए भक्ति में लीन होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए सुनार नदी के घाटों पर विसर्जन किये। वही रास्ते में जवारो की शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह भक्तों द्वारा सड़कों पर पानी डालकर मार्ग को साफ-सुथरा कर जवारो का पूजन अर्चन कर दर्शन किए। जवारे विसर्जन देखने नगर के मुख्य मार्गों पर लोगों की अपार भीड़ देखी गई।

जवारे दर्शन विसर्जन शोभायात्रा उमड़ी भक्तों की भीड़

सिंग्रामपुर। चैत्र नवरात्रि की नवमी को दीवालों में माता के नाम के घट स्थापना की गई थी जिन का दर्शन विसर्जन के लिए आज भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर जवारे दर्शन करते हुए माता से सुख समृद्धि की कामना की सिंग्रामपुर ग्राम में जवारे दर्शन के लिए जहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। वही घट स्थापना के साथ पंडा पुजारियों के द्वारा माता की की गई कठोर साधना के दर्शन जवारे विसर्जन शोभा यात्रा के दौरान हुए पंडो के द्वारा माता की शक्ति प्रकट करने के लिए जहां गालों में बाने छेदकर शोभायात्रा में चल रहे थे। वही अग्नि से प्रज्वलित खप्पर लिए माता की भक्ति में लीन दिखाई दिए। बता दें चैत्र नवरात्रि की शुरुआत में माता की

भक्ति के प्रति समर्पित घटस्थापना की जाती है और नवमी को जगह जगह जवारे देवी धामों में चढ़ाने के लिए पंडा पुजारी पहुंचते हैं जिनके दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल होकर मां के प्रति अपने आस्था भक्ति दिखाते हुए मां का आशीर्वाद लेते हैं।

श्रद्धा से निकले जवारे, उमड़ा जनसैलाब

तेंदूखेड़ा। नगर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नवमी के दिन नगर एवं आसपास के क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ जवारे की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान अनेक श्रद्धालुओं ने आस्था का अनूठा प्रदर्शन किया। कुछ भक्तों ने अपने मुंह में बाने लोहे की सलाखें छेदकर भक्ति प्रकट की, वहीं महिलाओं ने पारंपरिक भाव-नृत्य करते हुए सिर पर जवारे रखकर यात्रा में भाग लिया। प शोभायात्रा के दर्शन हेतु नगरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने श्रद्धापूर्वक जवारे का पूजन-अर्चन किया तथा दूध अर्पित कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। जवारे निकालने से पूर्व नगर परिषद द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गईं। नवमी के दिन नगर में स्थापित विभिन्न देवी मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान किए गए। पिछले नौ

दिनों से व्रत रख रहे श्रद्धालुओं ने इस दिन अपने व्रत का पारण किया। कार्यक्रम के समापन पर जवारे का विसर्जन मढ़िया घाट पर पूरे श्रद्धा भाव के साथ किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने माता से सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

पिपरिया जुगराज तालाब के जीर्णोद्धार में भारी भ्रष्टाचार

जबेरा। जनपद पंचायत जबेरा के मुख्यालय से मात्र 5 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत कलहेरा खेड़ा ने भ्रष्टाचार के सारे कीर्तिमान तोड़ दिए हैं (वैसे तो जनपद पंचायत जबेरा की सभी पंचायतें भ्रष्टाचार के नये नये कीर्तिमान गढ़ रही हैं) प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह के द्वारा पिपरिया जु गराज तालाब का निरीक्षण किया गया जिसमें पाया गया कि शासन के द्वारा तालाब के जीर्णोद्धार के लिए लगभग 60 लाख के रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसमें 30 लाख रुपए नहरो की मरम्मत के लिए एवं 30 लाख रुपए तालाब में पिचिंग एवं अन्य कार्यों के लिए स्वीकृत किये गये थे, जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि के द्वारा ग्राम पंचायत कलहरा खेड़ा के ग्राम पिपरिया जुगराज के तालाब का निरीक्षण करने पर पाया कि तालाब में पिचिंग का कोई भी नया कार्य नहीं हुआ था, तालाब की मेड़ पर मोरम थोड़ी-थोड़ी डाली गई है ,जब नहर बन रही थी उस समय भी मेरे द्वारा आवाज उठाई गई थी की नहर में लगने वाला मटेरियल रेत एवं सीमेंट घटिया किस्म का लग रहा था जिसमें रेत की जगह बजरा लगाया जा रहा था। इस तरह इस पूरी राशि का बंदर बांट कर लिया गया है ज्ञात हुआ है कि वर्तमान सरपंच के भाई ही इंजीनियर हैं (इसलिए सैया हुए कोतवाल अब डर काहे का) की तर्ज पर इस पंचायत में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है । जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि के द्वारा इस पंचायत के साथ-साथ जनपद की अनेक पंचायत की भ्रष्टाचार की शिकायत की गई है परंतु आज दिनांक तक उक्त शिकायतों पर कोई भी कार्यवाही ना होना संदेह को जन्म देता है। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजान सिंह ने कलेक्टर दमोह से मांग की है कि भ्रष्टाचार में लिप्त(सरपंच ,उप सरपंच, सचिव,इंजीनियर,ठेकेदार) समस्त दोषियों की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की दया करें।

हरिभूमि
दमोह भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 28 मार्च 2026

login : www.haribhoomi.com

हटा | जबेरा | पथरिया | तेन्दूखेड़ा | तेजगढ़ | बटियागढ़ | हिण्डोरिया | बनवार | सिंगपुर | पटेरा | बांदकपुर | नरसिंहगढ़ | हिनौता | कुण्डलपुर

अनोखी भक्ति : लोगों की आस्था का केंद्र बिंदु है दसोंदी माल गांव का बलखंडन खेरमाई का दरबार

चैत्र नवरात्र की नवमी पर लगता है एक दिवसीय मेला, दूरदराज से दर्शन करने पहुंचते हैं भक्त

मनोकामना पूरी हुई तो बलखंडन माता के दरबार में दंडवत पहुंचते हैं हजारों भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की दिनारी ग्राम पंचायत के दसोंदी गांव में बलखंडन खेर माता विराजमान हैं जहां चैत्र नवरात्र की नवमी तिथि को श्रद्धालु उघारे होकर दंड भरते हुए माता के दरबार में पहुंचते हैं यह परंपरा सैकड़ों वर्ष से निभाई जा रही है दसोंदी गाँव में प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्र की नवमी को एक दिवसीय विशाल मेले का आयोजन होता है शुक्रवार को यहां श्रद्धालु अपने गांव से दंड भरे हुए माता के दरबार तक पहुंचे। बता दें कि इस गांव में 90 प्रतिशत मुस्लिम समाज के लोग रहते हैं जो इस दिन आयोजन को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग करते हैं।

दसोंदी खेरमाई नाम से प्रसिद्ध है स्थान

तेंदूखेड़ा मुख्यालय करीब 35 किमी दूर स्थित दसोदी गांव है यह तेंदूखेड़ा जनपद की दिनारी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है यहां बिराजी देवी को दसोंदी बाली खेरमाई के नाम से जाना जाता हैं जो दसोंदी सहित आसपास के ग्रामीणों के लिये अटूट आस्था का केंद्र हैं। प्रतिवर्ष इस गांव में चैत्र नवरात्र की नवमी को एक दिवसीय मेला भरता है यहां पर भक्त चैत्र नवरात्र के पहले दिन से खेरमाई के नाम का घट अपने दिवाले पर रखते हैं और नवमी के दिन माता के चरणों मे समर्पित करते हैं साथ ही श्रीफल लेकर गृहग्राम से दंड भरकर देवी माता के स्थान तक जाते हैं शुक्रवार को सैकड़ों भक्त एक साथ दंड भरते हुये दसोंदी माल कि खेरमाई की जय जयकार करते हुए पहुंचे।

तपती धूप, अटूट विश्वास

भर दोपहरी में जब सूरत आग उगल रहा था तब यहां पर माता बलखंडन के भक्त अपनी मन्नत पूरी होने पर एक तौलिया लपेटे दंडवत करते हुए कंकड़ पत्थरों से भरे रास्तों पर हर दंड के साथ उनकी भक्ति और विश्वास और भी प्रबल होता गया भक्तों के चेहरे पर कोई थकान नहीं बल्कि मां के दर्शन की उत्सुकता साफ झलक रही थी कई श्रद्धालु नौ दिनों का व्रत रखकर यही आकर अपना व्रत खोलते है यहां पर आस्था का अद्भुत और अलौकिक दृश्य देखने को मिलता है जहां पहाड़ी के पथरीले रास्ते पर हजारों श्रद्धालु दंडवत करते हुए मां के दरबार पहुंचते हैं जहां तपती जमीन पर नंगे पैर खड़ा होना भी मुश्किल होता है लेकिन मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु केवट एक तौलिया लपेटे पूरे शरीर को धरती से स्पर्श करते हुए आगे बढ़ते रहे हर और जय माता दी कै जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा ।

मुस्लिम समाज करती है सहयोग

ग्राम पंचायत दिनारी के सरपंच प्रतिनिधि भोजराज जैन ने बताया कि बलखंडन माता जो कि खेरमाई देवी स्थान उनकी पंचायत में आता है। एक वर्ष में नवमी के दिन यहां पर मेला भरता है लोगों में बलखंडन खेरमाई के प्रति ऐसी भक्ति और आस्था है कि भक्त 38-40डिग्री तापमान में भी दंड भरते हुए दरवार पहुंचे हैं इस गांव में 90 प्रतिशत मुस्लिम समाज के लोग रहते हैं जो पूरी आस्था के साथ इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करते हैं जहां धार्मिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है मुस्लिम समुदाय के लोग भी पूरे उत्साह से आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और सहयोग में लगे रहते नजर आते हैं इस तरह से खेरमाई स्थान तक जाने से लोगों के घर में सुख, शांति बनी रहती है, फसलों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता और मांगी मन्नत पूरी होती है। यह आयोजन सैकड़ों वर्षों से होता आ रहा है जो और परंपरा के अनुसार, आज भी मनाया गया।

दो से तीन किलोमीटर भरते हैं दंड

ग्राम दसोंदी में विराजी बलखंडल तक पहुंचने के लिए लोग अपने ग्रह ग्राम से दंड भरते हुए माता के मंदिर को पहुंचते हैं इसमें दूरी का कोई अनुमान नहीं है ग्रामीणों ने बताया कि जैसे दसोदी गांव के लोग हैं तो वह अपने घर से ही दंड भरते हुए जाते हैं और यदि कोई दूसरे गांव का है तो उसको उसी गांव से दंड भरते हुए माता के स्थान पर जाना पड़ता है कुल मिलाकर तपती धूप और कठिन रास्तों के बीच भी भक्तों की अटूट श्रद्धा ने यह साबित कर दिया कि सच्ची भक्ति के आगे हर बाधा छोटी पड़ जाती है ।

मनोकामना पूरी होने के बाद लगाई जाती है हाजिरी

इस संबंध में दिनारी सरपंच प्रतिनिधि भोजराज जैन ने बताया कि बलखंडन खेरमाता का मंदिर धार्मिक आस्थाओं के साथ चमत्कार का भी केंद्र है यहाँ हर भक्त अपनी मनोकामना लेकर आते हैं जिनकी मनोकामना पूर्ण होती है, वह चैत्र नवरात्र पर्व में दंड भरकर परिक्रमा करते हैं वहीं नवमी को जवारे विसर्जन के साथ प्रसाद वितरण व भंडारे का आयोजन किया जाता है।

सगरोन, मगरोन, बरोदा और हिनौती में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

दमोह। ग्राम सगरोन एवं ग्राम मगरोन में सामुदायिक भवनों के भूमिपूजन के साथ-साथ प्रभु श्री वनवासी राम जी की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन में भी सहभागिता की। इसके अतिरिक्त ग्राम बरोदा एवं ग्राम हिनौती में सामुदायिक भवन एवं पुलिया निर्माण कार्यों का भी विधिवत भूमिपूजन किया गया। ये सभी विकास कार्य क्षेत्र की जनता के लिए लाभकारी सिद्ध होंगे और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगे। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने रामनवमी के पावन अवसर पर विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री पटेल ने क्षेत्र में सांदीपनि स्कूल ग्राम मगरोन में प्रारंभ होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस स्कूल के लिए पूर्व में भूमि चिन्हांकन के निर्देश दिए जा चुके हैं। सांदीपनि स्कूल लगभग 25 से 30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होता है, जिसमें विद्यार्थियों के लिए बस परिवहन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा बटियागढ़ में 14 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से आईटीआई भवन निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है, जिसका टेंडर शीघ्र जारी कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसी प्रकार पथरिया में भी 14 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से आईटीआई भवन के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई है। उन्होंने सांदीपनि स्कूल की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसे "संदीपनि" के नाम से भी जाना जाता है। *उज्जयिनी में संदीपनी गुरु से उनके शिष्य ने* शिक्षा प्राप्त की थी, इसी कारण प्रदेश में यह योजना संदीपनि के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि यहां भी बनने वाला स्कूल इसी नाम से जाना जाएगा। राज्यमंत्री लखन पटेल ने रामनवमी के पावन अवसर पर कलेही माता मंदिर पहुंचकर दर्शन, पूजन अर्चन कर क्षेत्र और प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न ग्रामों में विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रमों में भाग लिया।

वैराग्य की कसौटी से सजा प्रभु श्रीराम का आदर्शः श्रीभगवान वेदांताचार्य

दमोह। भगवान श्रीराम का जीवन आदर्शों की एक उज्ज्वल ज्योति के रूप में स्थापित है जो भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अनुसार वैराग्य के संदर्भ में उनके व्यक्तित्व पर विशेष रूप से प्रेरणादायक सिद्ध हुआ जब उन्हें वनवास का आदेश मिला, तब उन्होंने न केवल उसे सहज भाव से स्वीकार किया, बल्कि उसे धर्म पालन का अवसर मानकर अपनाया। राजमहल के वैभव, सत्ता और सुख-सुविधाओं का त्याग कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्चा वैराग्य बाहरी त्याग से अधिक आंतरिक संतुलन और आत्मनियंत्रण में निहित होता है। राम का यह निर्णय समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश बनकर उभरा जिसमें जीवन में आने वाली हर परिस्थिति को धैर्य और दृढ़ता के साथ स्वीकार करना ही श्रेष्ठ मार्ग है। यह उद्गार साकेत धाम पीठाधीश्वर श्री महंत श्री श्री भगवान जी के वक्तव्य का अंश है जो रामनवमी के पावन पर्व पर राम जन्मोत्सव के पश्चात भक्तों के मध्य श्रव्य हुआ। आगे कहते हैं की वनवास के दौरान भी श्रीराम का जीवन केवल तप और त्याग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह कर्तव्य, सेवा और संरक्षण का उदाहरण बना। उन्होंने ऋषि-मुनियों की रक्षा की, समाज में न्याय की स्थापना की और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत किया। यह दर्शाता है कि उनका वैराग्य निष्क्रियता नहीं, बल्कि सक्रिय धर्मपालन का प्रतीक था। कठिनाइयों के बीच भी उनका संयम, सकारात्मक दृष्टिकोण और मर्यादित आचरण लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहा। सीता और लक्ष्मण के साथ उनका संतुलित और अनुशासित जीवन यह बताता है कि सच्चा वैराग्य व्यक्ति को समाज से दूर नहीं करता, बल्कि उसे और अधिक जिम्मेदार बनाता है। आज के भौतिकवादी और प्रतिस्पर्धात्मक युग में श्रीराम का यह आदर्श अत्यंत प्रासंगिक है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सफलता केवल भौतिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, त्याग और संतोष से मापी जानी चाहिए। वैराग्य का अर्थ जीवन से विमुख होना नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि से जीना है। राम का आदर्श हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए, धैर्य और सकारात्मकता के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करें। इस प्रकार, वैराग्य की चौखट पर खड़े होकर श्रीराम का जीवन आज भी समाज के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश बना हुआ है। महामंगल सेवा समिति के द्वारा प्रत्येक वर्ष आयोजित राम प्रकट उत्सव के 58 वर्ष में श्री मानस पंचानन राकेश चतुर्वेदी लाला जी महाराज एवं श्री उमाशंकर चौरसिया जी के द्वारा भी वक्तव्य प्रदान किया गया जिसमें राम नाम ही जीवन का आधार और राम के अनुराग में निहित संदेश ही भक्ति जैसे विषयों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया वहीं सचिव श्रीमती शारदा वेद प्रकाश पाठक संरक्षक पुरुषोत्तम शास्त्री एवं भक्त श्रेष्ठ जितेंद्र कुमार मिश्रा अरविंद पाठक श्रीमती नेहा जगदीश मिश्रा सहित बद्री बाबा आचार्य दिनेश पाठक एवं ओम गुरु अजय दीक्षित जी का अपने बटुकों आकाश ,शरद और कान्हा के द्वारा अर्चन ,पूजन, वंदन एवं हवन करते हुए राम भक्तों में समाहित पुण्य का विधान दृष्टि गोचर हुआ ।

खबर संक्षेप

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में जिले के लिये 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि स्वीकृत

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा दमोह जिले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर श्री कोचर ने बताया कि इस संबंध में भारत सरकार, नीति आयोग एवं राज्य नीति आयोग से आधिकारिक पत्र प्राप्त हो चुका है। पत्र में निर्देशित किया गया है कि इस राशि के उपयोग हेतु जिले द्वारा विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार कर 30 अप्रैल 2026 तक प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रभारी सचिव के मार्गदर्शन में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से परामर्श कर शीघ्र ही प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा, ताकि इस राशि का प्रभावी उपयोग जिले के विकास कार्यों में किया जा सके।

हाथ- पैर सुधारक हबीब खान देवरी वालों का निधन

हिण्डोरिया। नगर के मौलाना अब्दुल कलाम आजाद वार्ड नं. 07 निवासी मकसूद खान, मुख्तार खान एवं स्व. अबरार बाबा के 91 वर्षीय पिता हबीब खान का वृद्धावस्था एवं लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया। देवरी वालों के नाम से विख्यात हबीब खान लगभग 50 वर्ष से भी अधिक समय से अपने परपरांगत अनुभव के आधार पर लोगों के दुर्घटनावश टूटने वाले हाथ-पैर एवं शरीर के विभिन्न अंगो की हडडी को बिना एक्सरे जोड़ने मे माहिर थे। हाथ-पैर सुधारक के नाम से मशहूर हबीब खान देवरी वालों के पास जिला, प्रदेश एवं देश भर से सैकड़ों लोग आये दिन आते थे। हिण्डोरिया वालों ने उनकी मृत्यु के चलते नामवर शख्सियत एवं एक तजुर्बेकार देशी हकीम खो दिया। उनकी अंतिम शवयात्रा मे सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया। उन्हें हिण्डोरिया कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया।

पतलौनी में माता शारदा देवी के दरबार में दिखा भक्ति का अदभुत चमत्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेजगढ

जिला की जबेरा विधानसभा क्षेत्र की जनपद तेंदुखेड़ा की ग्राम पंचायत पतलोनी में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पतलोंनी के हर परिवार ने हर्ष उल्लास से माता देवी जी के दिवालो पर जबारे घट खप्पर रखकर नो दिन भक्ति भाव आस्था पूर्ण मा शारदा देबी जी के दरबार मै जाकर नर नारी बालक बलिकाऔ ने दर्शन कर सेवा की। राम नवमी को संपूर्ण ग्राम से लेकर और अन्य ग्रामो सहित हजारों की संख्या में बालिकाएं महिलाएं घट खप्पर जवारे सिर पर रखकर माता चंडी टोरिया पर पहुंचते और श्री हनुमान जी के दरबार मैं एकत्रित होते हैं जहां से मा शारदा देवी जी की लीला विचित्र देखने को मिलती है। ग्राम के सैकड़ो की संख्या में व्यक्ति ने अपनी श्रद्धा पूर्ण मा देबी जी का निशान बाना मुह और गले जीव मैं, छिदवा कर लगभग आधा किलोमीटर पैदल कीर्तन भजन बाजो के साथ चलकर मा शारदा देबी के दरबार पहुंचते है और मंदिर की परिक्रमा लगाते फिर देबी जी के पंडा भगवत प्रसाद सेन सभी के वाने जयकारो के साथ निकालते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के मुह मे ओर गले पर निशान नहीं दिखाई देता, ना दर्द होता। सभी जवारे माता शारदा देवी जी मंदिर पहुंचते है और विधि विधान से पूजा अर्चना कर विसर्जन किये जाते है। इस चमत्कार को देखने के लिए ग्राम से लेकर अनेकों गांव के व्यक्ति बड़ी संख्या में पतलोनी पहुंचते हैं और मा देवी जी के दर्शन कर आशीर्वाद मांगकर श्रद्धालु घर लौटते हैं। मां शारदा मंदिर के प्रांगण में चैत की पूर्णमा को मेला लगता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु ग्रामीण अंचलो से ओर अनेकों जिलों से देवीजी के दर्शन करने आते हैं। जिन व्यक्तियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती वह परिवार चैत्र की पूर्णमा को जबारे घट खप्पर भंडारा कर प्रसाद चढ़ाते है। देवी जी के पंडा भगवत प्रसाद सेन ने बताया कि इस वर्ष चैत्र की पुर्णिमा को बड़ी संख्या में व्यक्ति मा शारदा देवी जी के दरबार में घट खप्पर और भंडारा करेंगे।

श्रीरामजी का जन्मोत्सव मनाया

दमोह। प्राचीन श्री राम मंदिर दमोह में प्रभु श्री राम जी का जन्मोत्सव बड़े उत्साह और उमंग के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। बाजीराव पेशवा कालीन यह प्राचीन मंदिर ,सिनेमा रोड दमोह में स्थित है। चैत्र नवरात्र के नौ दिनों में सभी 9 दिन अलग-अलग झांकियां की विशिष्ट परंपरा है।देश में यह एकमात्र और अनूठी परंपरा है जिसे सोनवलकर परिवार की दसवीं पीढ़ी ने आज भी संरक्षित रखा है। आज श्री रामनवमी के अवसर पर नव विवाहित जोड़े को दशरथ और कौशल्या बनाकर प्रभु राम को झूले में झुलाया गया। इस वर्ष दशरथ और कौशल्या बने का सौभाग्य रायपुर छत्तीसगढ़ के श्री सौरभ श्रीमती सुरभि तिवारी को प्राप्त हुआ ठीक 12 बजते ही गर्भ गृह में प्रभु श्री राम का जन्म उत्सव हुआ। उसके उपरांत ढोल धमाके और आतिशबाजी के साथ सभी ने श्री राम जी का जन्मोत्सव मनाया ।काफी देर तक श्रद्धालु नाच गाकर अपनी भावनाएं प्रकट करतेरहे। कार्यक्रम में सांसद राहुल सिंह राज्य मंत्री लखन पटेल दमोह विधायक जयंत मलैया, सीएसपी एच आर पांडे, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मनु मिश्रा, पूर्व विधायक अजय टंडन, समाजसेवी डॉक्टर अनिल टंडन, सिद्धार्थ मलैया, मनीष तिवारी, रमन खत्री सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिकों की उपस्थिति रही। जन्मोत्सव के उपरांत 21 ब्राह्मण की वसंत पूजा का विशेष आयोजन और महा प्रसाद का वितरण भी किया गया।

श्रीराम के जयकारों से गूंजा शहर....

दमोह। नवरात्रि की नवमी एवं प्रभु श्री राम जी के जन्मोत्सव पर शहर में मंदिरों से लेकर चौराहों तक विविध आयोजन हुये। शाम को प्रभु श्री राम की प्रतिमा के साथ भव्य शोभायात्रा शहर में निकाली गई। शोभयात्रा में जय श्री राम के नारो के साथ उत्साहित युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। अखाडो का प्रदर्शन के साथ विभिन्न प्रकार की झांकिया भी शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र रही।

मडियादो में हुये विभिन्न धार्मिक आयोजन

मडियादो । चैत्र नवरात्र,श्रीरामनवमी पर्व पर मडियादो बस्ती में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नगर के प्राचीन श्री धनुषधारी जी सरकार मंदिर में दोपहर 12 बजे अविजित मुहूर्त में श्रीराम जी का प्राकट्योत्सव हुआ। पुजारी पंडित ऋषि मिश्रा द्वारा विधिविधान से मन्दिर के गर्भगृह में भगवान श्रीराम जी का जन्म कराया और हवन पूजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। इसी प्रकार नगर के माँ गायत्री माता मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के 30 वर्ष पूर्ण होने पर आज नवमी को मां गायत्री महायज्ञ कलश पूजन हवन सहित अनुष्ठान और धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुए।

तिंदनी में श्रीमद्भागवत कथा आयोजन-

चैत्र नवरात्र पर्व पर ग्राम तिंदनी में श्रीमद् भागवत कथा आयोजन किया जा रहा है, आज नवमीं तिथि को श्रीमद्भागवत कथा में श्री कृष्ण-सुदामा जी चरित्र कथा का वर्णन करते हुए व्यास पीठ से पँडित पीयूष अवस्थी जी महाराज ने कहा कि सुदामा जी महाराज प्रतिदिन चार से पांच घरो में भिक्षा मांगते थे और अपना परिवार का भरण पोषण चलता था,अति दरिद्रता के कारण जब पत्नी सुशीला ने भगवान श्री कृष्ण के घर जाने की सलाह दी लेकिन सुदामा जी ने कहा कि मित्र के घर कुछ ले जाने को नही है। भगवान,मित्र,गुरु के घर खाली हाथ नही जाना चाहिए तब सुशीला खुद नगर में भिक्षा मांगने निकली और तीन घरो से तीन मुट्ठी चावल मिले जिसे लेकर सुदामा जी अपने मित्र भगवान श्रीकृष्ण जी से मिलने पँहुचे,व्यास पीठ से कई प्रसंगों का वर्णन किया।

आमने-सामने भिड़ीं बाइकें, मासूम समेत चार घायल

बनवार। नोहटा थाना अंतर्गत बनवार चौकी क्षेत्र में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। रोड-बनवार मार्ग पर स्थित बड़ी टेक की पानी की टंकी के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें एक 12 वर्षीय मासूम बच्ची समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही बनवार चौकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को 112 एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और कुछ देर के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार, रम्मू यादव (26 वर्ष) निवासी रोड़ अपनी बाइक से बनवार से रोड़ की ओर जा रहा था। वहीं दूसरी ओर से देव डोगरा (38 वर्ष) निवासी ओमकार अपनी 12 वर्षीय बेटी अनामिका और 16 वर्षीय बेटे अनिल के साथ बाइक से रोड़ से बनवार की ओर आ रहे थे। बड़ी टेक स्थित पानी की टंकी के पास पहुंचते ही दोनों वाहन तेज रफ्तार में आमने-सामने टकरा गए, जिससे चारों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोग तत्काल मदद के लिए मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। बनवार चौकी प्रभारी मनीष यादव ने बताया कि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना सामने आ रहा है। यह दर्दनाक घटना एक बार फिर ग्रामीण सड़कों पर लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर करती है।

उपभोक्ता फोरम का फैसलाः विद्युत विभाग की सेवा में पाई कमी, क्षतिपूर्ति के दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

दिनांक 26/03/2026 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग दमोह म.प्र. के द्वारा प्र.कें. 123/25 विनीश श्रीवास्तव बनाम डिवीजनल इंजीनियर म.प्र.वि.वि.कं. दमोह एवं प्र. कं. 133/25 सतीश कुमार नायक बनाम डिवीजनल इंजीनियर म.प्र.वि.वि.कं. दमोह के विरूद्ध उपभोक्ता फोरम प्रकरणों में उपभोक्ताओं ने परिवाद इस आशय का पेश किया कि परिवादी विनीश कुमार श्रीवास्तव द्वारा विद्युत बिलों का लगातार भुगतान किये जाने के बाद भी तकनीकि फाल्ट होने के कारण मीटर बंद होने से मीटर रीडिंग कर्ताओं द्वारा मीटर की रीडिंग न लेने के बाद भी बंद मीटर का बिल दिया गया जिसका परिवादी द्वारा भुगतान भी किया गया तथा उक्त विषय में जांच हेतु आवेदन भी दिया परन्तु विद्युत विभाग द्वारा कोई कार्यवाही न करते हुए पुनः बंद मीटर का अत्यधिक बिल दे दिया तथा शिकायत के कारण दुर्भावनावश नया स्मार्ट मीटर भी परिवादी की अनुपस्थित में परिवादी के घर बिना अनुमति लगा दिया। शिकायत करने पर कोई कार्यवाही नहीं की गई तथा विद्युत बिल 17346/-रूपये का दे दिया गया जिस कारण परिवादी ने बिल जमा नहीं किया जिस पर विद्युत विभाग द्वारा परिवादी की विद्युत सप्लाई बंद कर दी गई तथा विद्युत बंद होने के बाद भी जुलाई 2025 में परिवादी को 29800 रूपये एवं अगस्त में 32466 का बिल थमा दिया। जिस कारण परिवादी विनीश श्रीवास्तव एवं सतीश नायक ने एक परिवाद अपने अधिक्ता पंकज खरे के माध्यम से उपभोक्ता फोरम दमोह में पेश किया। जिसमें परिवादी एवं अनावेदक विद्युत कंपनी द्वारा अपने-अपने संपूर्ण साक्ष्य पेश किये उसके बाद उपभोक्ता फोरम दमोह द्वारा विद्युत विभाग की सेवा में कमी पाई गई तथा परिवादीगण के पक्ष में फैसला सुनाया जिसमें विनीश श्रीवास्तव वाले प्रकरण में बिल में खपत रीडिंग के आधार पर बिल जमा करने का आदेश दिया एवं पुराने बिल की राशि निरस्त कर दी तथा यह भी उल्लेखनीय आदेश किया कि विद्युत कनेक्शन का प्रकार घरेलू है जिस कारण तीन फेस मीटर की आवश्यकता है या नहीं यह भी स्पष्ट किया तथा परिवादी को सेवा में कमी के मद में 9000/-रूपये पृथक से भुगतान करने का आदेश दो माह के भीतर किया है। इसी प्रकार अन्य प्रकरण सतीश कुमार नायक बनाम डिवीजनल इंजीनियन म.प्र.वि.वि.कं. लिमि. में भी परिवाद स्वीकार कर आदेश दिया है कि सतीश कुमार नायक को विद्युत कंपनी द्वारा जुलाई 2025 में राशि 12663/-रूपये का बिल निरस्त किया जाये तथा नया बिल औसत के आधार पर जारी किया जाये तथा जो सरचार्ज लिया है उसे समायोजित किया जाये विद्युत कनेक्शन विच्छेदित नहीं किया जाये एवं परिवादी को 6000/-रूपये सेवा में कमी होने पर पृथक से अदा किया जाये। प्रकरण की पैरवी पंकज खरे एवं धर्मेन्द्र तिवारी अधिवक्ता ने की।